केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 34 शनिवार 23 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

महिला से दुष्कर्म, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलवारी थाना क्षेत्र में 22 जुलाई 2025 की रात एक महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात करीब 12 बजे मोहम्मदपुर निवासी अरबाज (30) उसके घर में घुस आया। आरोपी ने उसका मुंह दबाकर दुष्कर्म किया।

पीड़िता के शोर मचाने पर आरोपी ने उसे धमकी दी। उसने कहा कि अगर शिकायत की तो उसके पति की हत्या कर देगा। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। फिर थाना कलवारी पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई।

थानाध्यक्ष के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। घटना से गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। पीड़िता के परिवार और स्थानीय लोगों ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित मनोज कुमार आनंद ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मनोज ग्राम पिपरी जप्ती, थाना वाल्टरगंज के रहने वाले हैं। आरोपी सुनील कुमार चौधरी ग्राम रुधौली का निवासी है। उसने मनोज से नौकरी दिलाने के नाम पर 18 लाख 50 हजार रुपए ले लिए। यह रकम यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रुधौली शाखा के खाते में फोन–पे और गूगल–पे के जरिए ट्रांसफर की गई।

जब नौकरी नहीं मिली तो मनोज ने अपने पैसे वापस मांगे। आरोपी सुनील लगातार टालमटोल करता रहा। इसके बाद मनोज जब सुनील के घर पैसों की मांग करने गए तो उसने गाली–गलौज की। आरोपी ने कहा कि एक रुपया नहीं देगा। साथ ही शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में शिक्षक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मनोरी ओवरब्रिज पर शुक्रवार सुबह 7.50 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बेलहरा इंटर कॉलेज के शिक्षक जितेंद्र यादव की एक अज्ञात ट्रक से टक्कर के बाद मौत हो गई। जितेंद्र यादव गौर थाना क्षेत्र के नन्हा गांव के रहने वाले थे। वे अपनी बाइक से विद्यालय बेलहरा जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि जितेंद्र यादव को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। स्थानीय पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बारिश से खिले किसानों के चेहरे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लम्बी प्रतीक्षा के बाद बारिश बारिश से किसानों में खुशी की लहर है। किसानों ने बताया कि इस बारिश से धान की फसल को काफी फायदा होगा। दिनभर की उमस के बाद हुई इस बारिश ने किसानों को राहत दी है। धान की फसल के लिए यह बारिश वरदान साबित होगी। बरसात न होने के कारण किसान परेशान थे और कई क्षेत्रों में सूखे का खतरा मड़राने लगा था।

बिहार एसआई आर: आधार कार्ड को स्वीकार करने का सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

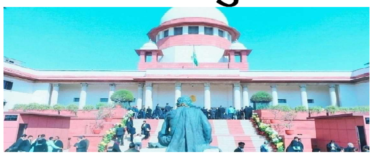

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए 11 दस्तावेजों या आधार कार्ड को स्वीकार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक दलों को उन 65 लाख लोगों की मदद करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें मसौदा मतदाता सूची से बाहर रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनावी राज्य बिहार में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बदलाव करने से इनकार कर दिया, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वह सूची से बाहर किए गए मतदाताओं को ऑनलाइन माध्यम से दावे दाखिल करने की अनुमति दे, साथ ही भौतिक रूप से भी दावा पेश करने की अनुमति दे। अदालत ने निर्वाचन आयोग को मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए 11 दस्तावेजों या आधार कार्ड को स्वीकार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक दलों को उन 65 लाख लोगों की मदद करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें मसौदा मतदाता सूची से बाहर रखा गया है। अदालत ने कहा, सभी राजनीतिक दल अगली सुनवाई तक उस दावा प्रपत्र पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें, जिसे उन्होंने बहिष्कृत मतदाताओं द्वारा दाखिल करने में मदद की थी।

मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि केवल दो आपत्तियाँ उठाई गईं, जबकि राजनीतिक दलों के 1.60 लाख से अधिक बूथ–स्तरीय एजेंट (बीएलए) हैं। सुनवाई के दौरान, चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि उसे यह साबित करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। आयोग ने अदालत को यह भी बताया कि 85,000 बहिष्कृत मतदाताओं ने अपने दावा पत्र जमा कर दिए हैं, जबकि दो लाख से ज्यादा नए मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आगे आए हैं।

चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने अदालत से कहा, 'राजनीतिक दल शोर मचा रहे हैं और हालात इतने खराब नहीं हैं। हम पर विश्वास रखें और हमें कुछ और समय दें। हम आपको दिखा देंगे कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है।

यंग बार एसोसिएशन पदाधिकारियों को दिलाया शपथः अधिवक्ता समाज की रीढ- प्रदीप

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

बस्ती। यंग बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के सदस्य प्रदीप कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। विनोद कुमार भट्ट ने अध्यक्ष और दुर्गेश नंदन श्रीवास्तव ने महामंत्री पद की शपथ ली। सभी पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने और अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान का संकल्प लिया।

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि अधिवक्ता समाज की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता न्याय दिलाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत हैं। अधिवक्ताओं की जागरूकता से आमजन को न्याय मिलना आसान होता है।

कार्यक्रम में सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शेषनाथ पाठक और महामंत्री अजय सिंह मौजूद थे। वरिष्ठ अधिवक्ता मारुति शुक्ल, रामरक्षा शुक्ल, रमेश पाण्डेय समेत कई अधिवक्ता उपस्थित रहे। सभी ने नए पदाधिकारियों को बधाई दी और संगठन की मजबूती के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

बहुजन मुक्ति पार्टी के मण्डलीय अधिवेशन में उठे जमीनी मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–जाति पांति, छूआछूत, असमानता, गैर बराबरी दूर करने पर जोर

बस्ती । शुक्रवार को बहुजन मुक्ति पार्टी का मण्डलीय अधिवेशन प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में जाति पांति, छूआछूत, असमानता दूर करने, बहुजन समाज के उत्थान आदि विन्दुओं पर विचार किया गया।

मण्डलीय अधिवेशन के मुख्य अतिथि आनन्द कुमार गौतम ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव समय की मांग है। आज गरीबों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के अधिकार एक–एक कर छीने जा रहे हैं। इस दिशा में लोगों को जागरूक करना होगा कि वे अपने अधिकारों को पहचाने और संघर्ष की धार को तेज करें।

विशिष्ट अतिथि चंद्रिका प्रसाद, ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा, चिकित्सा, जीने के अधिकार, उत्पीड़न के सवालों पर संघर्ष तेज किया जाय।

अध्यक्षता कर रहे राम कृपाल भारती ने कहा कि बहुजन मुक्ति पार्टी एक ऐसी पहली पार्टी है जो अपने हर मुद्दे को स्टांप पेपर के माध्यम से चुनाव में घोषणा पत्र जारी करती है। आज जनता का भरोसा जीतना, गैर बराबरी, असमानता दूर करना सबसे बड़ी चुनौती है। इस दिशा में प्रयास लगातार जारी है।

भारत मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि बस्ती जिले की पुलिस व अधिकारियों की लापरवाही की वजह से लालगंज थाना अंतर्गत सिद्धनाथ गांव में 5 साल की बच्ची के साथ हुए रेप के मामले को दबा दिया गया। आखिरकार खुलासा क्यों नहीं हुआ। हम लोग इस मामले को लेकर शांत नहीं बैठेंगे आगे विरोध जारी रहेगा जब तक न्याय नहीं मिल जाता। अधिवेशन का संचालन करते हुये हृदय गौतम ने सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और असामनता से जुड़े अनेक मुद्दे उठाये।

मण्डलीय अधिवेशन में नीलू निगम ,डॉक्टर रिफाकत अली, बुद्धेश राणा व गिरधारी लाल के साथ ही अनेक जनपदों से आये पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

वन नेशन वन इलेक्शन के जिला संयोजक बनाए गए सचिन सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–दायित्वों का होगा निष्ठा से निर्वहन– सचिन सिंह

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश द्वारा शुक्रवार को क्षेत्रीय संयोजकों और जिला संयोजकों की सूची जारी की गई। जिसमें जिले के युवा भाजपा नेता सचिन सिंह को जिला संयोजक, अमन गुप्ता और अभिष पाण्डेय को जिला सह–संयोजक बनाया गया है। जिला संयोजक बनाए जाने पर सचिन सिंह ने पार्टी का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करुंगा। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन आज देश की आवश्यकता है। कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन देश के संसाधनों की बचत, चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और प्रशासनिक गतिविधियों को बाधित किए बिना लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल है। बार–बार चुनाव होने से देश का विकास बाधित होता है। अगर हमें भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो हमे संसाधन और समय दोनों को बचाना होगा। वन नेशन, वन इलेक्शन राष्ट्र के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है और हर देशवासी को इस अभियान के साथ लगना चाहिए।

सचिन के वन नेशन वन इलेक्शन के जिला संयोजक बनाए जाने पर हिमांशु पाल गोलू, अमित सिंह, राहुल, रिंकू सिंह, पिंटू कुमार, प्रेम शंकर ओझा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

डग्गामार वाहनों के खिलाफ चलेगा अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था, राजस्व वसूली एवं कर करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए मण्डलायुक्त ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में तेजी लायें। उन्होने प्रवर्तन से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही की जाय तथा निजी वाहनों को व्यवसायिक प्रयोग में लाने वाले वाहन स्वामियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय।

उन्होने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जॉच प्रक्रिया में सैम्पलिंग रिपोर्ट में तेजी लायी जाय। उन्होने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इससे संबंधित प्रकरण किसी भी स्तर पर लम्बित ना रहें। उससे संबंधित प्रकरण संबंधित अधिकारी बैठक कर तत्काल निस्तारित करायें। उन्होने न्यायालय से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि धारा 24 और 116 से संबंधित प्रकरण को नियमानुसार शीघ्रअतिशीघ्र निस्तारित करें।

उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली में अपेक्षित प्रगति में पिछड़े विभाग कार्ययोजना बनाकर निरन्तर अभियान चलायें। उन्होंने आईजीआरएस, मुख्यमंत्री हेल्प लाइन तथा शासन से सम्बन्धित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण ससमय और गुणवत्तापूर्ण करायें।

पुलिस उपमहा निरीक्षक संजीव त्यागी ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधिया ना होने पायें और समय–समय पर अभियान चलाकर कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। संचालन अपर आयुक्त प्रशासन मनोज कुमार तिवारी ने किया। बैठक में जिलाधिकारी बस्ती रवीश गुप्ता, सिद्धार्थनगर राजा गणपति आर0, संतकबीरनगर आलोक कुमार, तीनों जिलों के पुलिस अधीक्षक, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, प्रशासनिक अधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे।

नगर निकायों को 4 करोड़ से 10 करोड़ रुपये तक का अनुदान उपलब्ध कराए जाने का प्रस्ताव

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला मुख्यालयों वाली नगर पालिकाओं को स्मार्ट और विकसित नगर पालिका के रूप में विकसित करने की योजना का क्रियान्वयन प्रारम्भ करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कहा कि 20 साल बाद नगर निगमों की वित्तीय स्वीकृति सीमा बढ़ाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने लखनऊ और कानपुर में 200 इलेक्ट्रिक बसों को नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मोड पर संचालित करने और अन्य नगरों में 650 बसों की खरीद के प्रस्ताव को भी तुरंत प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। नगर निकायों को 4 करोड़ से 10 करोड़ रुपये तक का अनुदान उपलब्ध कराए जाने का प्रस्ताव है, जो उनकी जनसंख्या और कार्यदक्षता पर आधारित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को विकसित–स्मार्ट स्वरूप देने से न केवल आधारभूत संरचना सुदृढ़ होगी, बल्कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी सेवाएं भी मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि स्मार्ट–विकसित नगर पालिका योजना का उद्देश्य जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को आधुनिक, आत्मनिर्भर और नागरिक–केंद्रित स्वरूप में विकसित करना है। उन्होंने निर्देश दिया कि इस पर जल्द कार्य प्रारंभ किया जाए। अधिकारियों ने अवगत कराया कि योजना के अंतर्गत नगर पालिकाओं में गौरव पथ, पिंक टॉयलेट, शहरी सुविधा केंद्र, स्मार्ट क्लासरूम व आंगनबाड़ी, थीम आधारित पार्क, ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण, जलाशयों का पुनर्जीवन, ईवी चार्जिंग स्टेशन, ग्रीन क्रेमेटोरियम और डिजिटल सेवाओं जैसी आधुनिक सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए उत्सव भवन, सामुदायिक केंद्र और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' आधारित ढाँचे भी स्थापित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस योजना को हब–एंड–स्पोक मॉडल पर लागू किया जा सकता है। उदाहरण स्वरूप, लखनऊ और गोरखपुर स्थित एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर से समीपवर्ती जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को जोड़ा जा सकता है। इससे नगर पालिकाओं को सुरक्षा, निगरानी और शिकायत निवारण जैसी सेवाओं में आधुनिकता मिलेगी तथा संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक नगर पालिका में परियोजनाओं का चयन स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर किया जाए और वित्तीय संसाधनों का आवंटन नगर निकायों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के अनुसार किया जाए। बैठक में नगर निकायों की वित्तीय स्वीकृति सीमाओं को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि बीते लगभग 20 वर्षों से इन सीमाओं में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

एफएलएन प्रथम, द्वितीय बैच के 100 शिक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–शिक्षा में सुधार के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण जरूरी– विजय आनन्द

बस्ती। ब्लॉक संसाधन केन्द्र हर्रैया के सभागार में चल रहे पांच दिवसीय एफएलएन एवं एनसीईआरटी आधारित पाठ्य पुस्तकों के प्रथम एवं द्वितीय बैच के 100 शिक्षकों का प्रशिक्षण शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण समापन के अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनन्द ने कहा कि शिक्षा में सुधार के लिए शिक्षकों का समय–समय पर प्रशिक्षण जरूरी है। शिक्षकों का प्रशिक्षण अच्छा होने पर ही छात्रों के सीखने के अनुभव में वृद्धि होगी और छात्रों की सहभागिता बढ़ेगी। कहा कि प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को खेल और गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाना सबसे प्रभावी है। प्रशिक्षण के संदर्भदाता एआरपी सन्तोष कुमार शुक्ल, काशीराम वर्मा, रवीश कुमार मिश्र, केआरपी श्री नारायन मिश्र और योगेश कुमार सिंह ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण में विभाग द्वारा निर्धारित मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण दिया। भाषा, गणित और अंग्रेजी की पुस्तक, संदर्शिका और कार्यपुस्तिका का उपयोग, टीएलएम का उपयोग, ब्लेंडिंग तथा ग्रिड का प्रभावी उपयोग, निपुण भारत मिशन के संशोधित लक्ष्यों का अवलोकन, रेमेडियल शिक्षण, प्रिंट रिच सामग्री का उपयोग आदि के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण में वर्ण पहचान, पठन कौशल और लेखन कौशल पर ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि बच्चे भाषा में दक्ष हो सकें। गणित सिखाने के लिए खेल और गतिविधियों के साथ ही रोचक ट्रिक्स की विस्तृत जानकारी दी गई। बीईओ ने बताया कि तीसरे और चौथे बैच का प्रशिक्षण आगामी सोमवार से शुरू होगा। जिसमें 100 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुल दस बैचों में 500 से अधिक शिक्षक प्रशिक्षित किए जाएंगे। प्रशिक्षण में कार्यालय के सुनील कुमार, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, ऋषि सिंह, राकेश, दिवाकर सिंह ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

प्रशिक्षण में मुख्य रूप से अजीत सिंह, गोपाल दूबे, अवनीश ओझा, अमरनाथ पाण्डेय, प्रमोद कुमार ओझा, सौम्या द्विवेदी, मधू सिंह, मीरा चौधरी, महावीर, सुमन मिश्रा, उमेश चंद्र, शाहिदा खातून, विनोद यादव, हरीजी मिश्र, आदित्य सिंह, नीलम, रवीन्द्र साहू, योगेश सिंह, वंश गोपाल तिवारी, वन्दना, रश्मि, कविता गुप्ता, मधुसूदन तिवारी, भागीरथी, प्रियंका, प्रिया चौधरी, सुरभि पटेल, अनीता देवी, प्रवीण मिश्र, अमरजीत यादव, सूर्यकांत, मस्तराम, विनोद त्रिपाठी, उमा पाण्डेय, राम नरेन्द्र वर्मा, अरुण सिंह, बंशीधर, लवकुश चौधरी, अरुण पाल, प्रतिज्ञा, लक्ष्मण लाल, रजनीश शर्मा, प्रियंका सिंह आदि उपस्थित रहे।

नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप एसपी से किया दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कप्तानगंज थाना क्षेत्र के पिलखांव निवासी राहुल कुमार पुत्र गणेशदत्त ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर ग्रुप डेवलपमेन्ट फाउन्डेशन के अध्यक्ष काशीनाथ मौर्या द्वारा नौकरी दिलाने के नाम पर की गई धोखाधड़ी मामले में मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई कराने और ठगी का शिकार हुये लोगों का रूपया वापस दिलाने की मांग किया है।

एसपी को दिये पत्र में राहुल कुमार ने कहा है कि कोतवाली थाना क्षेत्र के डमरूआ में ग्रुप डेवलपमेन्ट फाउन्डेशन का कार्यालय खोला गया। इसमें काशीनाथ मौर्या, कमलेश सचान, अजय कुलश्रेष्ठ और अजय आजाद ने बेरोजगार युवक, युवतियों को नौकरी दिलाने का लालच दिया गया। महिला संगनी बनाने के नाम पर 600 और सुपरवाइजर के नाम पर 1500 रूपया रजिस्ट्रेशन शुल्क वसूला गया। सुपरवाइजरों से नौकरी दिलाने की लालच देकर रिश्वत के रूप में 10 हजार से 30 हजार रूपये तक क वसूली की गई। कहा गया कि अप्रैल 2024 से वेतन मिलना शुरू हो जायेगा। जब लोगों को पता चला कि वे ठगी का शिकार हो रहे हैं तो इसकी शिकायत करने के बाद ग्रुप डेवलपमेन्ट फाउन्डेशन का कार्यालय बंद कर काशीनाथ आदि फरार हो गये।

राहुल कुमार ने मांग किया है कि गौर थाना क्षेत्र के कमलसिया निवासी काशीनाथ मौर्य, पौनी जप्ती निवासी अजय कुलश्रेष्ठ, नगर थाना क्षेत्र के कुढवा दयालपुर निवासी कमलेस सचान, अजय आजाद के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर ठगी का शिकार हुये लोगों को उनका लाखों की धनराशि वापस कराया जाय।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 अगस्त 2025 शनिवार

सम्पादकीय

जेल, जमानत, राजनीति और कानून

केंद्र सरकार ने विशेष परिस्थितियों में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को हटाने की कानूनी व्यवस्था वाला विधेयक पेश किया है, तो अनेक विपक्षी दल इसके विरोध में खड़े हो गए हैं। अभी इन उच्च पदों पर बैठे लोगों के जेल जाने की स्थिति में पद छोड़ने का प्रावधान संविधान में नहीं है। अभी जो कानून हैं, उनके अनुसार, जब तक दोष–सिद्ध नहीं हो जाए, तब तक ये आला मंत्री इस्तीफा देने के लिए बाध्य नहीं हैं। इस उदार व्यवस्था का लाभ दिल्ली के एक मुख्यमंत्री और उनके कई मंत्री उठा चुके हैं। यह इतिहास में दर्ज है कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल जेल में रहते हुए भी मुख्यमंत्री बने रहे। तमिलनाडु के एक मंत्री सेंथिल ने भी गिरफ्तार होने के बावजूद पद से इस्तीफा नहीं दिया था। जेल से भी अपना कार्यभार संभालने वालों की यह दलील थी कि संविधान उन्हें इस्तीफा देने के लिए नहीं कहता है। ऐसे में, केंद्र सरकार इस कोशिश में है कि 30 दिन हिरासत में रहने की स्थिति में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को स्वतरू ही पदमुक्त मान लिया जाएगा। पहली नजर में तो यह एक सामान्य प्रावधान लगता है, लेकिन इसके गहरे और व्यापक निहितार्थ हो सकते हैं।

बहरहाल, केंद्र सरकार ने तीनों विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया है। जेपीसी में अन्य दलों के नेताओं को भी अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। विपक्ष के नेताओं को अब जेपीसी में अपना पक्ष अकाट्य ढंग से रखना होगा। व्यापक हित–अहित, सदुपयोग–दुरुपयोग देखकर फैसला करना होगा। अगर ये तीनों विधेयक संविधान के विरुद्ध हैं या इनसे अनेक कानूनों पर व्यापक व नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है, तो समाधान का कोई दूसरा रास्ता देखना होगा। वैसे सरकार को यह पता था कि इन विधेयकों के आने पर हंगामा होगा। अतरू वह इन विधेयकों को जेपीसी के पास भेजने के लिए पहले से ही तैयार थी। सरकार की आशंका के अनुरूप ही विपक्षी दलों ने लोकसभा में खूब हंगामा किया। चूंकि यह विधेयक आरोप लगने की स्थिति में ही सजा देने के लिए तत्पर हो जा रहा है, इसलिए विपक्षी दलों ने जमकर आपत्ति जताई है। केंद्र सरकार पर यह गंभीर आरोप भी लगाया गया है कि वह विपक्षी दलों की सरकारों को अस्थिर करना चाहती है। विपक्ष यह आशंका जता रहा है कि अगर संविधान में यह 130वां संशोधन हो गया, तो फिर विपक्ष के मुख्यमंत्री और मंत्रियों का पद खतरे में पड़ जाएगा। क्या वाकई ऐसा हो सकता है? जेपीसी की बैठकों में इस पर गहराई से विचार करने के बाद अंतिम फैसला लेना चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने तीन विधेयक लोकसभा में पेश किए हैं। संविधान (130वां संशोधन) विधेयकय केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025य और जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025। केंद्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार विरोधी बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं है। दोनों पक्षों को समन्वय के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। ध्यान रहे, हमारे संविधान सभा में शामिल नेताओं ने सोचा भी नहीं था कि कभी देश की राजनीति का नैतिक स्तर इतना गिर जाएगा। आज तो कोई दागी नेता पद नहीं छोड़ना चाहता है। ऐसे में, आज या कल, कुछ कानूनी प्रावधान ऐसे करने ही पड़ेंगे, ताकि दागियों के लिए जगह न रहे। अनेक कदम उठाने पड़ेंगे, लेकिन उससे पहले सबसे जरूरी है– राजनीतिक सहमति। सहमति या व्यापक बहुमत से हुआ सुधार ही ठीक से फलीभूत होता है।

हंगामा का मानसून सत्र

संसद का मानसून सत्र हंगामे से शुरू हुआ था और हंगामे पर ही उसका समापन हमारे लिए चिंता का विषय होना चाहिए। लोकसभा में 120 घंटे चर्चा होनी चाहिए थी, पर मात्र 37 घंटे हुई है। मतलब, लोकसभा का लगभग 70 प्रतिशत समय बर्बाद हुआ है, जबकि राज्यसभा का 61 प्रतिशत से ज्यादा समय हंगामे की भेंट चढ़ा है। जाहिर है, समय की इस बर्बादी के लिए किसी एक को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराना मुश्किल है। पहले के सत्रों में भी जिस तरह से वक्त बर्बाद हुआ है, उसमें सत्ता पक्ष ने विपक्ष को और विपक्ष ने सत्तापक्ष को जिम्मेदार ठहराया है। यह कोई नई परिपाटी नहीं है, पर हम यह उम्मीद जरूर कर सकते हैं कि आगामी सत्रों में पक्ष और विपक्ष के बीच कटुता घटेगी। कटुता घटने से संसद का कामकाज चमकेगा। हम विकास की बात करते हैं, विकास पर सवाल भी उठाते हैं, पर हम यह नहीं देखते कि देश की संसद का प्रदर्शन कैसा है? संसदीय काम कैसे विकसित हो रहा है? क्या संभव है कि संसद ठीक से काम न करे और देश तेज तरक्की करने लगे?

मानसून सत्र को हंगामे के लिए भी याद किया जाएगा। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर हंगामे के साथ सत्र की शुरुआत हुई थी और एसआईआर अर्थात मतदाता सूची पुनरीक्षण पर अप्रिय हो–हल्ले के बाद सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। तय समय के अनुसार, नवंबर में फिर संसद सत्र होगा और हम यह उम्मीद करते हैं कि संसद का कामकाज सुधरेगा। इस मानसून सत्र में विपक्ष बहुत हद तक हावी दिखा है। उसने ऐसे मुद्दे उठाए हैं, जो बहुत संवेदनशील और गैर–पारंपरिक किस्म के हैं। अब सत्ता पक्ष को यह देखना होगा कि इस सत्र की स्याह छाया अगले सत्र पर न पड़े। आज जो विवाद हैं, उन्हें नवंबर के पहले ही सुलझा लिया जाए। यह चुनौती समय के साथ बढ़ेगी, क्योंकि प्रदेश–देश की राजनीति पल–पल बदल रही है। बिहार जैसे राजनीतिक रूप से जागरूक राज्य में जब विधानसभा चुनाव है, तब राष्ट्रीय स्तर पर हम राजनीति से नहीं बच सकते। मिसाल है, जो लोग पुनरीक्षण के विरोध में राजनीति कर रहे थे, वो पुनरीक्षण के शुरुआती आंकड़ों को लेकर राजनीति कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि कोई सूची अंतिम रूप से तैयार हो गई हो, अभी भी मतदाताओं से शिकायत लेने और जरूरी संशोधन करने का काम चल रहा है। संशोधन के प्रति अदालत ने भी स्पष्ट निर्देश दे रखा है कि पूरी उदारता के साथ मतदाताओं को सूची में शामिल किया जाए। चुनाव आयोग का जोर मतदाता सूची में छंटनी करने के बजाय सूची को विस्तार देने और दुरुस्त करने पर होना चाहिए। विपक्ष को ध्यान रखना चाहिए कि पुनरीक्षण का पूरा मामला सर्वोच्च न्यायालय के संज्ञान में है, अतरू इस पर जरूरत से ज्यादा राजनीति ठीक नहीं है।

बहरहाल, संसद सत्र के दौरान, कुल 12 विधेयक पारित किए गए। हंगामे की वजह से ऑनलाइन गेमिंग विधेयक भी बिना बहस पारित हो गया। हंगामे की सबसे बड़ी कीमत यही चुकानी पड़ती है कि कई जरूरी कानूनी मसलों पर विचार–विमर्श का अभाव रह जाता है। आश्चर्य नहीं, सदन की कार्यवाही स्थगित करने से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने व्यवधानों पर चिंता व्यक्त की और सदन में मर्यादा बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया है। कोई दोराय नहीं कि सदन में बेहतर कामकाज सबकी जिम्मेदारी है। इसका एहसास होना चाहिए। एक दिन आएगा, जब भारतीय मतदाता अपने सांसदों से पूछने लगेंगे कि आपने सदन में कितनी देर काम किया और कितनी देर हंगामा?

जिनपिंग का हिमालय पार पहुंचना संयोग नहीं

–अभिनव आकाश–

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 20 अगस्त को अचानक तिब्बत की राजधानी ल्हासा पहुंचे। आधिकारिक तौर पर ये दौरा तिब्बत की स्वयतरू क्षेत्र की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के तौर पर बताया गया है। लेकिन क्या ये दौरा सिर्फ एक उत्सव है या फिर इसके पीछे कोई बड़ा रणनीतिक संदेश छिपा है। बीते कई दशकों से चीन तिब्बत के धार्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप को बदलने की कोशिश कर रहा है। जिसे चीनीकरण कहा जाता है। लेकिन तिब्बत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक जड़े भारत और बौद्ध धर्म के साथ इतनी गहराई से जुड़ी हैं कि चीन की ये कोशिशें पूरी तरह सफल नहीं हो पाई। दलाई लामा के भारत में शरण लेने से लेकर 1962 के भारत–चीन युद्ध तक तिब्बत हमेशा दोनों देशों के बीच एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। ऐसे में जब शी जिनपिंग अचानक शी जिनपिंग तिब्बत का दौरा करते हैं तो सवाल उठते हैं कि आखिर इसका असली मकसद क्या है? भारत को क्यों इससे सतर्क रहने की जरूरत है?

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का 20 अगस्त को अचानक तिब्बत पहुंचना केवल एक औपचारिक दौरा नहीं था बल्कि इसके पीछे कई रणनीतिक और राजनीतिक मकसद छिपे हुए हैं। आधिकारिक रूप से ये दौरा तिब्बत स्वायतरू क्षेत्र यानी टीएआर की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ मनाने के लिए बताया गया। लेकिन असल में चीन की तिब्बत में पकड़ मजबूत करने, सीमा पर भारत के खिलाफ दबाव बनाने और क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को और सृढ़ण करने की रणनीति का हिस्सा है। ल्हासा में 20,000 लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए, शी जिनपिंग ने तिब्बत पर चीनी कब्जे को लेकर चल रहे तनाव के बीच इस यात्रा के राजनीतिक महत्व पर जोर दिया। गौरतलब है कि उन्होंने तिब्बतियों के पूज्य निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा का जिक्र तो नहीं किया, लेकिन कहा कि तिब्बती बौद्ध धर्म में बदलाव की जरूरत है। इस महीने की शुरुआत में बीजिंग ने तिब्बत और उत्तर–पश्चिमी शिनजियांग को जोड़ने वाली एक विशाल रेलवे लाइन बनाने की अपनी योजना की घोषणा की थी। तिब्बत की राजधानी ल्हासा में अपने संबोधन में शी ने जोर देकर कहा कि तिब्बत पर शासन करने, उसे स्थिर करने और विकसित करने के लिए पहली बात यह है कि राजनीतिक स्थिरता, सामाजिक स्थिरता, जातीय एकता और धार्मिक सद्भाव बनाए रखा जाए।ष उन्होंने क्षेत्र में प्रभुत्व को मजबूत करने पर अपना ध्यान केंद्रित करने का संकेत दिया।

ल्हासा की ऊँचाई के कारण, तिब्बत की यात्रा 72 वर्षीय चीनी राष्ट्रपति के लिए एक स्वास्थ्य परीक्षण भी थी। यह कड़े नियंत्रण वाले इस क्षेत्र की उनकी दूसरी राष्ट्रपति यात्रा थी, जहाँ उन्होंने स्थानीय अधिकारियों की अलगाववाद के विरुद्ध उनके गहन प्रयासों के लिए प्रशंसा की, और तिब्बतियों द्वारा बीजिंग के शासन के विरुद्ध दशकों से किए जा रहे प्रतिरोध का हवाला दिया। तिब्बती स्वायत्तता की वकालत करने वाले अधिकार समूहों ने शी की यात्रा को क्षेत्र में उनके प्रशासन के मानवाधिकार रिकॉर्ड को छिपाने का प्रयास बताया। तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट के एशिया कार्यक्रम प्रबंधक और तिब्बत की निर्वासित संसद के सदस्य दोरजी त्सेतेन ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया तिब्बतियों के लिए, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना द्वारा तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के निर्माण की वर्षगांठ उत्सव का कारण नहीं है, बल्कि चीन के औपनिवेशिक कब्जे की एक दर्दनाक याद दिलाती है।

यह यात्रा दलाई लामा द्वारा यह बयान दिए जाने के ठीक दो महीने बाद हो रही है कि उनके उत्तराधिकारी का चयन चीन के बजाय उनका कार्यालय करेगा। चीनी अधिकारी इस बात पर जोर देते हैं कि इस प्रक्रिया की निगरानी का अधिकार केवल उनके पास है। 90 वर्ष की आयु में,आध्यात्मिक नेता तिब्बत की स्थिति के लिए लगातार चीन के भीतर वास्तविक स्वशासनको बढ़ावा देते रहे हैं, लेकिन बीजिंग उन्हें अलगाववादी कहता रहा है। लंदन के स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज में तिब्बत के विद्वान रॉबर्ट बार्नेट ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि दलाई लामा का उत्तराधिकार एक प्रतीकात्मक युद्धक्षेत्र और पार्टी के लिए एक प्रतीकात्मक अवसर है, जिससे वह इस बारे में मौलिक दावा कर सके कि तिब्बत पर कौन शासन करता है। लेकिन बार्नेट ने कहा कि सिर्फ उत्तराधिकार ही चीनी सत्ता के लिए अस्तित्वगत खघ्तरा नहीं दर्शाता, बल्कि संभवतः शी जिनपिंग की यात्रा में निहित कई चीनी महत्वाकांक्षाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा तिब्बत पर नियंत्रण स्थापित करने के बीजिंग के व्यापक अभियान को दर्शाती है।

चीन का कहना है कि तिब्बती लोग अपने धर्म का पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं, फिर भी मानवाधिकार संगठनों का तर्क है कि सदियों पुरानी परंपराओं में गहराई से निहित उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को धीरे–धीरे कमजोर किया जा रहा है। हालाँकि, जून में सिचुआन प्रांत के एक तिब्बती मठ में बीबीसी के दौरे के दौरान, भिक्षुओं ने बताया कि तिब्बतियों को बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित किया जा रहा है और उन्होंने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) पर लगातार उत्पीड़न का आरोप लगाया। हालाँकि, बीजिंग इन आरोपों को खारिज करता है और दावा करता है कि उसके शासन में तिब्बतियों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, हाल के वर्षों में, तिब्बत में हान चीनी लोगों का उच्च–ऊंचाई वाले क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रवास हुआ है, पत्रकारों और विदेशी आगंतुकों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं, और कम्युनिस्ट पार्टी के अधिकार क्षेत्र से बाहर की किसी भी राजनीतिक या सांस्कृतिक गतिविधि का दमन किया गया है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने चीनी नियंत्रण के विरुद्ध एक असफल विद्रोह के छह साल बाद, 1965 में तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र की स्थापना की, जिसे चीन में शिजांग के नाम से जाना जाता है। शी की अप्रत्याशित यात्रा गुरुवार को सरकारी मीडिया में छाई रही, अखबारों और टेलीविजन चौनलों ने उनके ल्हासा दौरे को एक उत्सव के रूप में पेश किया। पहले पन्ने पर छपी तस्वीरों में तिब्बती नर्तकियों और जयकार करती भीड़ द्वारा उनका स्वागत करते हुए दिखाया गया।

शी जिनपिंग का यह दौरा इस क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े बाँध के निर्माण कार्य शुरू होने के एक महीने बाद हो रहा है। मोटुओ हाइड्रोपावर स्टेशन के नाम से प्रसिद्ध यह परियोजना यारलुंग त्सांगपो नदी पर स्थित है, जो तिब्बती पठार से होकर बहती है। पूरा होने पर, इस बाँध के आकार में थ्री गॉर्जेस बाँध को पार करने और उससे तीन गुना अधिक ऊर्जा उत्पादन करने की उम्मीद है। बीजिंग का दावा है कि 1.2 ट्रिलियन युआन (167 बिलियन डॉलर) की यह परियोजना स्थानीय समृद्धि को बढ़ावा देते हुए पारिस्थितिक संरक्षण को प्राथमिकता देगी। हालांकि, विशेषज्ञों और अधिकारियों ने चिंता जताई है कि यह बाँध चीन को सीमा पार से बहने वाली यारलुंग त्सांगपो नदी को नियंत्रित या मोड़ने की क्षमता प्रदान कर सकता है, जो दक्षिण में भारत के अरुणाचल प्रदेश और असम राज्यों के साथ–साथ बांग्लादेश में बहती है और सियांग, ब्रह्मपुत्र और यमुना नदियों को पोषण प्रदान करती है। बीजिंग ने यह भी घोषणा की कि वह अक्साई चिन से होकर, और भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा के बिल्कुल पास, तिब्बत–शिनजियांग (उत्तर–पश्चिमी प्रांत) रेलवे परियोजना का निर्माण शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। निर्वासित अधिकारियों ने शी की तिब्बत की इस असामान्य यात्रा को इस बात का संकेत माना कि चीन को स्थानीय निवासियों का पूरा समर्थन नहीं मिला है।

विकराल होते आनलाइन गेम पर नियंत्रण

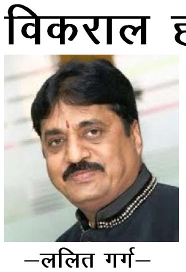

–ललित गर्ग–

इंटरनेट के विस्तार ने आधुनिक दौर में जीवन को अनेक सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए गंभीर संकट भी पैदा किए हैं। इनमें सबसे गंभीर संकटों में से एक है ऑनलाइन गेमिंग या कहें तो मनी गेमिंग की बढ़ती लत। यह सच है कि गेमिंग मनोरंजन का साधन हो सकती है, पर जब इसमें धन का जुड़ाव होता है, तब यह सीधा–सीधा जुए एवं सट्टे के रूप में बदल जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति एवं परिवार को भी कंगाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में एक साल में 45 करोड़ लोगों ने बीस हजार करोड़ गवां दिये हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते रहे हैं। सवाल इन लालच बेचने एवं जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं एवं त्रासद विडम्बनाओं के बाद ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण का एक विधेयक भारत सरकार इसी मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। यह स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि गेमिंग के नाम पर अरबों रुपए का लेन–देन और करोड़ों युवाओं की मानसिक शांति को नष्ट करने वाली प्रवृत्ति दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है।

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बर्बादी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात–दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह संकट केवल आर्थिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। दिन–रात स्क्रीन से चिपके रहने वाले युवक चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाकीपन का शिकार हो रहे हैं। उनमें हिंसक प्रवृत्तियां भी उभर रही हैं। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी है, जिनमें लगातार आनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत रिश्तों को तोड़ रही है, दोस्ती और पारिवारिक बंधनों को कमजोर कर रही है। एक पूरी पीढ़ी, जिसे राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था, अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता इस आभासी जुए में गँवा रही है।

सरकार के मुताबिक, वह ई–स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये अवश्य उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने राजस्व की परवाह न करते हुए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या केवल कानून से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा? इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नितांत अपेक्षित है कि वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ–साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन–शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं।

भारत सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी एवं प्रासंगिक है कि इस उद्योग का टर्नओवर कई आर्थिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक विसंगतियों के साथ कई हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए तरह–तरह के विज्ञापन और प्रलोभन दे रही हैं। इन मंचों पर जीतने की लालच में फंसकर युवा अपने उज्ज्वल भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं बिगाड़ती, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है, क्योंकि जिन युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए, वे अपना समय और ऊर्जा इन आभासी खेलों में गवां रहे हैं। आज जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग की इस समस्या को केवल कानूनी दायरे में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी गंभीरता से लिया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय पर समझाएं, उनका मार्गदर्शन करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। समाज को भी मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि मनोरंजन के नाम पर फैल रहे इस जुए की घातक एवं विध्वंसक संस्कृति को बढ़ावा न दिया जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने का प्रस्ताव पारित कर एक सही दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाया है, लेकिन कानून से भी अधिक जरूरी है जागरूकता। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि गेमिंग का यह जुआ उनके भविष्य को तबाह कर रहा है, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मनोरंजन के नाम पर छल रही इस प्रवृत्ति का पर्दाफाश करें और अपने युवाओं को सुरक्षित, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की राह पर अग्रसर करें। असंख्य परिवारों को आज अपने बच्चों की इस आदत के कारण कर्ज और बर्बादी में अंधेरों में जाने से बचाये। खेल के नाम पर ऑनलाइन मंचों पर पैसा लगाना दरअसल सट्टेबाजी ही है, जिसमें जीत की संभावना क्षणिक होती है और हार की संभावना लगभग निश्चित। लाखों युवक अपने खून–पसीने की कमाई या माता–पिता की मेहनत की कमाई को इन कंपनियों की तिजोरियों में डाल रहे हैं। यह समस्या अब जुए की लत से भी अधिक खतरनाक हो चुकी है, क्योंकि इसमें तकनीक की चकाचौंध और आसानी से उपलब्धता ने युवाओं को पहले से ज्यादा असुरक्षित बना दिया है।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ऑनलाइन गेमिंग का बाजार बीते कुछ वर्षों में तेजी से फैला है। विज्ञापनों, प्रलोभनों और चमकदार ऑफरों ने युवाओं को अपने शिकंजे में इस तरह जकड़ लिया है कि लाखों लोग इसमें डूबकर अपनी शिक्षा, करियर और परिवार तक को दांव पर लगा बैठे हैं। जब खेल केवल मनोरंजन तक सीमित रहता है तब तक उसकी उपयोगिता है, पर जैसे ही इसमें धन और लालच का तत्त्व जुड़ता है, यह जुए में बदल जाता है। और यही वह बिंदु है जहां से विनाश की शुरुआत होती है। सच्चाई यह है कि ऑनलाइन गेमिंग का जाल इतना व्यापक हो चुका है कि इसे रोकने के लिए कानून की सख्ती के साथ–साथ सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक हस्तक्षेप भी उतने ही जरूरी हैं। ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान होगा। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की भी जरूरत है। इस अभियान में गैर–कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुर्माना भी लगाना एवं बड़े–बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी होते हुए दिखनी चाहिए, तभी यह कानून कारगर एवं प्रभावी बन पायेगा।

कुपोषित बच्चे और बाल विवाह

–संजीव ठाकुर–

निश्चित तौर पर बच्चे देश के भविष्य होते हैस यदि देश का भविष्य ही कुपोषित कमजोर और अविसित रहेगा, निर्बल रहेगा तो सशक्त विकसित भारत की कल्पना करना बेमानी होगास भारत में बच्चों के भुखमरी,कुपोषण और बाल विवाह एक बड़े अभिशाप की तरह सामने आ रहे हैं, बच्चों के कुपोषण और बाल विवाह देश के लिए एक बड़ी कमजोर कड़ी साबित हो रही है। यह देश की एक प्रमुख समस्या भी है। देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत ज्यादा चिंताजनक हैस सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 33 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार है और इनमें 50: बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैंस देश में भले ही जोर शोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता है। देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय की स्थापना भी की गई है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका हैस ऐसी क्या वजह है की नौनिहालों के पोषण के लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास इतने संसाधन होने के बावजूद धन मुहैया नहीं हो पाता हैस मलेरिया, टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत की मुख्य रीढ़ की हड्डी है यानी कि आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय सोचनीय तथा विचारणीय पहलू है।

इसी तरह बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 लागू होने के पश्चात भी बाल विवाह के प्रकरण हजारों की संख्या में सामने आए हैं। निश्चित तौर पर देश में शिक्षा और जागरूकता की कमी के कारण यह भयावह स्थिति बनी है। दक्षिण के राज्यों में जहां शिक्षा का प्रतिशत काफी अच्छा है पर बाल विवाह के मामले में दक्षिण के राज्य कर्नाटक तथा तमिलनाडु शीर्ष पर मौजूद हैं यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। चिंताजनक लड़कियों के मामले में और ज्यादा है है क्योंकि उनका भविष्य उनकी शिक्षा दीक्षा उनका शारीरिक विकास सब कुछ बाल विवाह से अवरुद्ध हो जाता है। बाल विवाह को रोकने के लिए समस्त रूप से प्रयास किए जाने चाहिए इस विषय में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बाल विवाह रोकने पर और उनके संरक्षण पर काफी प्रयास काफी प्रयास किया है। उनकी जानकारी के अनुसार देश में बाल विवाह तथा लैंगिक मतभेद एक चिंताजनक बड़ा पहलू है जिसे हर संभव प्रयास कर प्रतिबंधित किया जाना चाहिए और इसे केवल सरकारी प्रयासों पर छोड़ देना ना काफी है इसे सामाजिक आंदोलन के रूप में लेकर शिक्षा तथा जागरूकता को भी काफी बढ़ावा देना होगा। इसी तरह देश में कुपोषण के मामले में सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आर,टी,आई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैंस इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्यप्रदेश हैस विगत दिनों करोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं और आने वाले कल के दिन में भी और बच्चों के कुपोषण कथा मृत्यु की आशंका बढ़ गई हैस सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 18 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित है एवं शेष 16लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैंस जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैराथन प्रयास किए जाने चाहिए।जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित ना हो वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है उसका नंबर 101वां है, ऐसे हालात में महिला तथा बाल विकास को महिलाओं तथा बच्चों के लिए ही एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषित होने से बचाना होगा। पोषण ट्रैकर के हवाले से बताया गया कि सिर्फ महाराष्ट्र में ही कुपोषित बच्चों की संख्या छह लाख दर्ज की गई है जिनमें 1,57 लाख बच्चे अल्प कुपोषित तथा 4,58 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। दूसरे नंबर पर बिहार प्रदेश आता है जहां 5लाख कुपोषित बच्चे और तीसरे नंबर पर गुजरात प्रदेश होता है जहां 3.30 लाख बच्चे कुपोषित हैं। महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्य प्रदेश बहुत सक्षम और देश के बड़े राज्य हैं, यहां पर स्वास्थ्य विभाग पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, फिर ऐसी क्या वजह है कि बच्चों के कुपोषण की दर इतनी ज्यादा तथा चिंताजनक हो गई है।

राप्ती नदी में मिला एसबीआई मिनी बैंक संचालक का शव

संवाददाता–बलरामपुर। एसबीआई मिनी बैंक के संचालक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान पिपरा एकडंगा निवासी 35 वर्षीय विकास पांडेय के रूप में हुई है। मृतक विकास का शव गायब होने के करीब 38 घंटे बाद बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दरअसल, बुधवार रात विकास बलरामपुर से गौरा चौराहा मार्ग होते हुए अपने गांव लौट रहे थे। करीब रात 8 बजे पिपरा घाट पुल पर कुछ अज्ञात लोगों ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान विकास ने अपने मित्र ज्ञानचंद को फोन कर बताया कि कुछ लोग उन्हें धमका रहे हैं और पैसों की मांग कर रहे हैं। विकास ने तुरंत मदद की गुहार भी लगाई।

ज्ञानचंद ने तुरंत उनके परिजनों को सूचना दी और सभी लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक विकास रहस्यमय तरीके से गायब हो चुके थे। पुल पर उनकी मोटरसाइकिल खड़ी मिली, जिससे आशंका और गहरा गई।

शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने थाना गैण्डास बुजुर्ग क्षेत्र के नंदौरी के पास राप्ती नदी में उनका शव तैरता देखा। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। बांक भवानी चौकी इंचार्ज किसलय मिश्र ने इसकी पुष्टि की। वहीं, घटना की गंभीरता को देखते हुए गौरा चौराहा थाने की पुलिस, कोतवाली उतरौला प्रभारी अवधेश राज सिंह और सीओ उतरौला राघवेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय ने कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है और हर एंगल से जांच कर दोषियों को पकड़ने की कोशिश की जाएगी।

सेल्फी के दौरान पति-पत्नी में विवाद, नवविवाहिता ने राप्ती नदी में लगाई छलांग, पति बचा, पत्नी लापता

संवाददाता–बलरामपुर। एक नवविवाहित जोड़ा राप्ती नदी में डूब गया। बताया जा रहा है कि सेल्फी लेने शुक्रवार को कोड़री घाट पुल पर दोनों सेल्फी ले रहे थे। इस दौरान दोनों में विवाद हो गया। जिसके बाद पत्नी ने नदी में छलांग लगा दी। महिला के छलांग लगाने के बाद पति भी नदी में कूद गया, लेकिन दोनों तेज धार में बहने लगे। हालांकि, चरवाहों की सूझबूझ से पति को बचा लिया गया, लेकिन नवविवाहिता लापता हो गई। पुलिस और गोताखोर उसकी तलाश में जुटे हुए हैं। नवविवाहिता की पहचान शीला देवी (22) के रूप में हुई है, जो ललिया थाना क्षेत्र के ग्राम मकुनहवा की रहने वाली थी। उसकी शादी श्रावस्ती जनपद के ग्राम महरौली निवासी विजयपाल से हुई थी। पुलिस और गोताखोर नवविवाहिता की तलाश में जुटे हुए हैं।

आपदा मित्रों को विशेष प्रशिक्षण

संवाददाता–श्रावस्ती। जनपद में आपदा मित्रों को अग्नि सचेतक का प्रशिक्षण शुरू किया गया है। गर्मियों में बढ़ती अग्निकांड की घटनाओं को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर अग्नि सचेतक तैयार किए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण अग्निशमन विभाग और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में आपदा मित्रों को आग बुझाने की विधियां सिखाई जा रही हैं। इसमें आग के प्रकार पहचानना, अग्निशमन यंत्रों का उचित प्रयोग और अग्निकांड के समय जनता की सहायता करने का प्रशिक्षण शामिल है। आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्र के अनुसार, जनपद में पहले से ही 430 आपदा मित्र विभिन्न आपदाओं से बचाव के लिए प्रशिक्षित हैं। अब इन्हें अग्नि सचेतक के रूप में विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे अग्निकांड के समय स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित स्वयंसेवक उपलब्ध रहेंगे। लीडिंग फायरमैन अरवेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि पहले बैच में 55 आपदा मित्रों का प्रशिक्षण शुरू हुआ है। पहले दिन अग्नि के प्रकार और अग्निशमन यंत्रों की सामान्य जानकारी दी गई। अगले दिन से इनके उपयोग की तकनीकी जानकारी दी जाएगी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पांच दिनों तक चलेगा। कार्यक्रम में फायरमैन सच्चिदानंद तिवारी और सुनील कुमार यादव भी मौजूद रहे।

बारिश से मौसम सुहाना, निचले इलाकों में जलभराव, किसानों को मिली राहत

संवाददाता–महराजगंज। शुक्रवार को मौसम ने करवट बदली। सुबह से ही हल्की ठंडी हवाएं चल रही थीं और बादल छाए हुए थे। दोपहर 12 बजे के आसपास आसमान में घने बादल छा गए। इसके बाद नगर और आसपास के क्षेत्रों में तेज वर्षा शुरू हो गई। बारिश के दौरान बाजारों और मुख्य मार्गों पर लोग रेनकोट और छाते के साथ नजर आए। कई लोग दुकानों और छायादार स्थानों पर रुककर बारिश थमने का इंतजार करते दिखे। बच्चों और युवाओं ने बारिश का आनंद लिया।

नगर के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा।

विभाग ने आने वाले दिनों में भी रुक–रुककर वर्षा की संभावना जताई है। यह बारिश किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। खरीफ की फसलों को इस समय पानी की आवश्यकता होती है। वर्षा के बाद मौसम में ठंडक आ गई है और लोगों को पिछले कुछ दिनों से चल रही उमस से राहत मिली है।

बैंकों में 64 आवेदन लेकिन महज 4 स्वीकृत, बैंक पहुंच डीएम ने जानी हकीकत

संवाददाता–बहराइच। यूपी सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान बैंकों की मनमानी का शिकार है। बड़ी संख्या में युवाओं ने इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया लेकिन बैंक लोन देने में कोताही बरत रहे हैं। शुक्रवार को स्वयं डीएम अक्षय त्रिपाठी ने योजना की हकीकत जानी। दो बैंकों के औचक निरीक्षण में डीएम ने पाया कि यहां 64 आवेदन में महज चार को ही लोन मिल सका है जबकि अन्य सभी की फाइलें लंबित हैं। जिलाधिकारी ने लीड बैंक मैनेजर से पूरे जिले के बैंकों में इस योजना के तहत मिले आवेदनों का अपडेट स्टेटस तलब किया है। दरअसल, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की स्थिति जानने के लिए शुक्रवार को डीएम अक्षय त्रिपाठी ने डिगिहा तिहरा के एचडीएफसी ब्रांच और दरगाह स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने पाया कि एचडीएफसी बैंक में 41 आवेदन आए लेकिन केवल चार फाइलें ही स्वीकृत हुईं। इन चार स्वीकृत आवेदनों में महज दो को ही लोन अमाउंट दिया गया। अन्य सभी पेंडिंग है। डीएम ने दो आवेदकों हर्ष गुप्ता और शैलेन्द्र प्रताप सिंह से फोन पर बात भी की। उन्होंने ब्रांच मैनेजर चन्द्रभानु श्रीवास्तव को सभी आवेदकों से संपर्क कर जरूरी दस्तावेज जल्द जमा करने के निर्देश दिए। एचडीएफसी के बाद डीएम बैंक ऑफ बड़ौदा पहुंचे। यहां 23 लोगों ने आवेदन किए थे लेकिन केवल दो लोगों की फाइल ही स्वीकृत की गई। अन्य सभी आवेदन लंबित पड़े हैं। जिलाधिकारी ने यहां के भी दो आवेदकों अशोक कुमार गुप्ता और उमा वर्मा से फोन पर बात की। उन्होंने शाखा प्रबंधक सौरभ गुप्ता को लंबित आवेदनों की पूरी जानकारी के अलावा आवेदनों को पेंडिंग रखने पर रिपोर्ट मांगी। जिलाधिकारी ने कहा कि यह योजना सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को लाभान्वित करना है।

चोरों ने दो दुकानों को बनाया निशाना, दीवार में नकब लगाकर रेडीमेड कपड़ों और नकदी की चोरी

संवाददाता–श्रावस्ती। हरदत्त नगर गिरन्ट थाना क्षेत्र के मिर्जापुर चौराहे पर बीती रात अज्ञात चोरों ने दो दुकानों में धावा बोल दिया। चोर रेडीमेड कपड़ों के अलावा नगदी लेकर फरार हो गए। चोरी की इस वारदात में व्यापारियों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। पीड़ितों ने थाने में तहरीर दी है और पुलिस जांच में जुट गई है। मिर्जापुर चौराहे पर ननकू की रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। गुरुवार रात करीब 10 बजे दुकान बंद कर वह घर चले गए थे। शुक्रवार सुबह जब उन्होंने दुकान खोली तो पूरा सामान बिखरा मिला। गोदाम से भी भारी मात्रा में कपड़े गायब थे। जांच में सामने आया कि चोरों ने छत के पास दीवार में नकब लगाकर दुकान में प्रवेश किया। ननकू का कहना है कि चोरी में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। इससे पहले मई महीने में भी उनकी दुकान में कपड़ों की चोरी हुई थी, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो सका।

इसी चौराहे पर मोहम्मद रजा की किराना दुकान में भी चोरी हुई। चोर पीछे से छत के पास बने छेद से दुकान में घुसे और नगदी लेकर फरार हो गए। मोहम्मद रजा ने बताया कि उन्हें अगले दिन व्यापारियों को भुगतान करना था, लेकिन इत्तेफाक से रुपए दुकान में ही छूट गए, जिन्हें चोर ले गए। दोनों दुकानदार किराए के मकानों में कई वर्षों से कारोबार कर रहे हैं। लगातार दूसरी बार चोरी की घटना से स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश है। उनका कहना है कि बार–बार चोरी होने के बावजूद पुलिस अब तक किसी भी घटना का खुलासा नहीं कर सकी है। फिलहाल पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जांच तेज की जाएगी और जल्द ही चोरों को पकड़ा जाएगा।

निकली राधा–कृष्ण की शोभायात्रा

संवाददाता–बलरामपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर जिले में छह दिनों तक जन्मोत्सव की धूम रही। शुक्रवार को हर्षोल्लास और कड़ी सुरक्षा के बीच राधा कृष्ण की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। नगर क्षेत्र के पूजा पंडालों में स्थापित राधा–कृष्ण प्रतिमाओं के विसर्जन जलूस से पहले विधि–विधान से हवन–पूजन हुआ। शोभा यात्रा बड़ा पुल चौराहा, झारखंडी मंदिर, पहलवारा, धुसाह, धर्मपुर, भगवतीगंज, सराय फाटक समेत प्रमुख मार्गों से होते हुए सिसई गांव स्थित राप्ती घाट पहुंची। वहां मंत्रोच्चार और पूजा–अर्चना के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

बिजली के झटके से पिता–पुत्र की मौत

संवाददाता–महराजगंज। ठूठीबारी थाना क्षेत्र में करंट लगने से पिता–पुत्र की मौत हो गई। शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे मोटर चालू कर हैंडपंप से नहा रहे पिता श्रीकांत की बिजली करंट की चपेट में आ गए। पिता को तड़पता देख बेटा बचाने पहुंचा। पानी में करंट उतरने के कारण बेटा भी इसकी चपेट में आ गया। जिससे दोनों गंभीर रूप से झुलसकर घायल हो गए। हादसे में दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजन आनन–फानन में दोनों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल लेकर पहुंचे। जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने पिता–पुत्र को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई और वे शव लेकर घर चले गए।

मृतकों की पहचान ग्राम शुक्रहर निवासी श्रीकांत यादव(60 वर्षीय) और उनके बेटे संतोष यादव(25 वर्षीय) के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष महेंद्र मिश्रा ने बताया कि घटना की जानकारी मिल गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के शिवम पाण्डेय ने किया नाम रोशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के कक्षा 9 के मेधावी छात्र शिवम पांडेय ने 36वीं दिल्ली स्टेट आईटीएफ ताइक्वांडो चौम्पियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया है। यह उपलब्धि उनके प्रशिक्षक अशुतोष सिंह (द्वितीय डैन ब्लैक बेल्ट, आईटीएफ) के कुशल मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन के परिणामस्वरूप संभव हो पाई।

विद्यालय के निदेशक विनय शुक्ला तथा समर्पित शिक्षकों ने शिवम को इस सफलता पर हार्दिक बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ–साथ खेलकूद और सह–पाठयक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। डायरेक्टर विनय शुक्ल ने छात्र की उपलब्धि पर कहा की उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे मंच प्रदान करती है, जहाँ छात्र अनुशासन, परिश्रम और प्रतिभा के बल पर देश–विदेश में विद्यालय और समाज का नाम रोशन कर सकें।

कमिश्नर ने दिए 120 सहकारी समितियों के जांच के आदेश

संवाददाता–गोण्डा। देवीपाटन मंडल के मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने 120 सहकारी समितियों के जांच के आदेश दिए। खाद के कालाबाजारी के बाद देवीपाटन मंडल के मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील एक्शन मोड में है। खाद वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को 120 सहकारी समितियों की जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। आयुक्त ने अधिकारियों को 20 बिंदुओं पर जांच करने के निर्देश दिए है। इनमें किसानों को खाद वितरण के दौरान आधार कार्ड, खतौनी और पीओएस मशीन का उपयोग शामिल है।

बाबा रामदेव को काना कहने पर बृजभूषण ने गलती मानी, ऐसा नहीं कहना चाहिए, माफी मांगने में कोई शर्मिंदगी नहीं

संवाददाता–गोण्डा। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह ने बाबा रामदेव को कहने पर अपनी गलती मान ली है। गोंडा में उन्होंने कहा–मैं मानता हूं कि जो बयान दिया, वह गलत था। मेरे मुंह से कुछ शब्द निकल गए। बाद में मुझे महसूस हुआ कि ऐसा नहीं कहना चाहिए था। पूर्व सांसद ने कहाकि बचपन से मैंने एक उसूल बनाया है कि किसी शरीफ या गरीब को अपमानित नहीं करूंगा। अगर भूल से ऐसा हो जाए तो उससे माफी मांगने में कोई शर्मिंदगी नहीं होनी चाहिए। मुझे नहीं लगा था कि यह इतना बड़ा विषय बनेगा। दरअसल, 17 अगस्त को बृजभूषण ने बलरामपुर में कहा था– रामदेव काना, जिसके नाम पर कमा खा रहा, महर्षि पतंजलि का इतिहास भी यहीं गोंडा से है।

पूर्व सांसद ने कहाकि मैंने लोकसभा चुनाव के दौरान एक बयान दिया था। इसके बाद आचार्य बालकृष्ण भट्ट ने मुझे फोन कर मूर्ख कहा था। हमने भी पलटकर जवाब दिया था, तभी से हमारा विवाद शुरू हुआ। बलरामपुर में मैं गोंडा, बलरामपुर और देवीपाटन मंडल का इतिहास बता रहा था। इसी दौरान महर्षि पतंजलि का उल्लेख आया। मुझे याद आया कि जब बाबा रामदेव स्वदेशी यात्रा लेकर निकले थे, तब उन्होंने गोंडा में महर्षि पतंजलि की जन्मस्थली का नाम लिया था और वादा किया था कि वे इसका उद्धार करेंगे। जनता से यह वादा उन्होंने किया था। उसी क्रम में मुझे बाबा रामदेव की याद आ गई। मेरे मुंह से कुछ शब्द निकल गए। बाद में मुझे महसूस हुआ कि ऐसा नहीं कहना चाहिए था। बृजभूषण ने कहाकि मुझे ऐसे शब्द नहीं कहने चाहिए थे। यह मेरे स्वभाव में है कि अगर कोई गलती हो जाए तो उसे सुधारूं। असल में मुझे बाबा रामदेव को उनके वादे की याद दिलानी थी। महर्षि पतंजलि की जन्मभूमि और कर्मभूमि गोंडा है, लेकिन आज भी वह उपेक्षित है। वहां बहुत कम काम हुआ है, जबकि उनके नाम पर अरबों–खरबों का कारोबार हो रहा है। मैं अपने घर के लिए कुछ नहीं मांग रहा हूं, लेकिन जब आप महापुरुषों के नाम पर कमाई कर रहे हैं तो उनके जन्मस्थान और कर्मभूमि का ध्यान रखना आपका कर्तव्य होना चाहिए। सिर्फ महापुरुषों का नाम बेचने से काम नहीं चलेगा। 2022 में बृजभूषण ने कहा था–बाबा रामदेव महर्षि पतंजलि के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं। वह उनके नाम पर अरबों–खरबों का व्यापार कर रहे हैं। उनके नाम पर मसाले से लेकर अंडरवियर और बनियान तक बेच रहे हैं, लेकिन महर्षि पतंजलि के जन्मस्थान के विकास के लिए उन्होंने एक पैसा नहीं खर्च किया। जिन महर्षि पतंजलि के नाम पर अरबों का व्यापार किया जा रहा है, उनकी जन्मस्थली उपेक्षा की शिकार है। बाबा रामदेव ने बृजभूषण सिंह को कानूनी नोटिस भी भेजा था। गोंडा जिले का कोंडर गांव महर्षि पतंजलि की जन्मस्थली मानी जाती है। महर्षि पतंजलि योग और आयुर्वेद के महान आचार्य थे। यह गांव गोंडा जिले के वजीरगंज क्षेत्र में एक प्राचीन झील के किनारे स्थित है। महर्षि पतंजलि ने योगसूत्र, महाभाष्य और चरक संहिता पर टीका लिखी थी। महर्षि पतंजलि ने यहीं से योग का प्रचार किया था। शास्त्रों के मुताबिक महर्षि पतंजलि शेषनाग के अंशावतार थे और आज भी विश्व में उन्हें योग गुरु के रूप में जाना जाता है। बृजभूषण सिंह अपने संबोधन के दौरान यही कहना चाह रहे थे कि रामदेव जिस महर्षि पतंजलि के नाम से कमा खा रहे हैं, वे भी गोंडा के रहने वाले हैं।

महाव नाले का तटबंध टूटा, 50 एकड़ में धान की फसल डूबी

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल और जिले में दो दिनों से जारी बारिश के कारण महाव नाले का जलस्तर अचानक बढ़ गया। शुक्रवार सुबह देवघट्टी गांव के पास नाले का पूर्वी तटबंध करीब 10 मीटर टूट गया। इससे आसपास के 50 एकड़ खेतों में पानी भर गया। देवघट्टी, हरखपुरा, हरपुर, अमहवा और नरायनपुर सहित कई गांवों के किसानों की धान की फसल जलमग्न हो गई है। स्थानीय किसान रामनाथ साहनी, जयहिंद वर्मा, पारस यादव, रामसमुझ और अवधेश का कहना है कि महाव की सफाई के नाम पर हर साल सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। किसानों का आरोप है कि सिल्ट सफाई और तटबंध मरम्मत पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन काम ठीक से नहीं होता। इसी कारण हर साल पानी का दबाव बढ़ने पर तटबंध टूट जाता है। महंगाई के इस दौर में किसानों ने मुश्किल से धान की रोपाई की थी। अब जलभराव की स्थिति लंबे समय तक रही तो फसल पूरी तरह खराब हो सकती है।

एयरपोर्ट की सरकारी जमीन से कब्जा हटेगा

संवाददाता–कुशीनगर। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से अवैध कब्जे हटाने का आदेश दिया है। अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा के अनुसार, न्यायालय ने 21 अगस्त 2025 को यह निर्णय लिया है। एयरपोर्ट के लिए 2020 में आईएलएस और आईएफआर सिस्टम की स्थापना के लिए 30.14 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया था। इसमें से 29.88 एकड़ भूमि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को हस्तांतरित की गई। ग्राम भलुही मदारी पट्टी में गाटा संख्या 1275 की 0.1740 हेक्टेयर बंजर भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया था। तहसीलदार कसया ने 3 दिसंबर 2020 को बेदखली का आदेश दिया था। कब्जाधारियों की जिलाधिकारी कोर्ट में अपील 14 दिसंबर 2021 को खारिज हो गई। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की।

कुशीनगर एयरपोर्ट पूर्वांचल, बिहार, नेपाल और पड़ोसी एशियाई देशों के लिए महत्वपूर्ण हवाई केंद्र है। बौद्ध पर्यटन की दृष्टि से यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख स्थल है। हर साल यहां लाखों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं।अपर जिलाधिकारी ने बताया कि आदेश का पालन जल्द किया जाएगा। प्रशासन के अनुसार, अवैध कब्जा हटने के बाद एयरपोर्ट की तकनीकी सेवाएं और यात्री सुविधाएं बेहतर होंगी। इस आदेश से एयरपोर्ट प्रबंधन और नागरिक उड्डयन विभाग को राहत मिली है। अब अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद है।

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूल वाद सं. 195/2023
अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय फैजाबाद
अनीसुर्रहमान
बनाम
मो0 ताफीक खां आदि
बनाम–1– मो० तौफीक खां आयु लगभग 45 वर्ष पुत्र कासिम खां निवासी मुराईटोला कस्बा भदरसा पो० भरतकुंड, परगना हवेली अवध. तहसील सोहावल जिला अयोध्या 2. अर्जुन कुमार यादव आयु लगभग 40 वर्ष पुत्र रामकेवल यादव निवासी ग्राम कुसमाहा पो० दर्शननगर, परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला अयोध्या
3 लोकनाथ सिंह आयु लगभग 42 वर्ष पुत्र चन्द्रभान सिंह निवासी ग्राम वभनियावां, पो० सोहावल, परगना मगलसी, तहसील सोहावल जिला अयोध्या । 4. सरजू यादव आयु लगभग 45 वर्ष पुत्र मुन्नीलाल यादव निवासी ग्राम महावा, पो० मोतीनगर, परगना हवेली अवध, तहसील सोहावल जिला अयोध्या।
–प्रतिवादीगण
तारीख पेशी 22–10–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 25 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

कजरी तीज मेले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

संवाददाता–श्रावस्ती। आगामी कजरी तीज मेले की तैयारियों को लेकर विभूतिनाथ मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई। वहीं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। मेला क्षेत्र में मंदिर आने–जाने के लिए 25–30 फीट का रास्ता खाली रखा जाएगा। सभी मार्गों पर गड्ढों की मरम्मत की जाएगी। वहीं मेले में स्वास्थ्य शिविर लगेगा। कुशल चिकित्सकों से सुसज्जित मोबाइल एम्बुलेंस मेला समाप्ति तक उपलब्ध रहेगी। मेडिकल टीम के पास एंटी स्नेक वेनम रखा जाएगा। महिला श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महिला चिकित्सक भी तैनात रहेंगी।मेला परिसर में कंट्रोल रूम और खोया–पाया केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। जबकि झूला लगाने वालों को एनओसी लेना अनिवार्य होगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए रजिया तालाब से मंदिर तक 4 वाच टावर लगाए जाएंगे। जहाँ पर वन विभाग की टीम ट्राईकुलाइज गन के साथ तैनात रहेगी। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने बताया कि मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। खुफिया पुलिस की टीम भी तैनात रहेगी। शांति व्यवस्था में बाधा डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी व्यवस्थाएं मेले से पहले पूरी कर ली जाएं।

युवती की हत्या, खेत में मिला शव

संवाददाता–गोण्डा। जिले के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के पूरे ललक गांव में एक 18 वर्षीय युवती की हत्या का मामला सामने आया है। युवती का शव धान के खेत से बरामद हुआ है।परिजनों के अनुसार, युवती दोपहर 3 बजे से लापता थी। काफी खोजबीन के बाद शाम 5 बजे गांव के पास धान के खेत में उसका शव मिला। शव पर संघर्ष के निशान मिले हैं। हत्यारों ने युवती को उसी के दुपट्टे से गला घोंटकर मार डाला।घटना की सूचना मिलते ही एसपी विनीत जायसवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को जांच के लिए बुलाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एसपी जायसवाल ने बताया कि मामले का जल्द खुलासा करना उनकी प्राथमिकता है। हत्यारों का पता लगाने के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि युवती का किसी के साथ कोई विवाद था या नहीं। पुलिस ने जल्द ही दोषियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। युवती ने दो साल पहले इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की थी। परीक्षा पास करने के बाद से वह घर पर ही रह रही थी और आगे पढ़ाई के लिए कहीं नहीं जाती थी। जिस जगह उसकी लाश मिली है, वह उसके घर से करीब 700 मीटर की दूरी पर और सड़क से लगभग 50 मीटर अंदर है।

अदालती नोटिस
(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) पंचम अयोध्या
स.प्र वाद सं. 06/2023
संजय उर्फ संजय किशोर
बनाम
साधूराम आदि
बनाम–1– साधूराम आयु लगभग 62 साल पुत्र स्वर्गीय राजदेव निवासी मौजा दोस्तपुर परगना हवेली अवध तहसील सोहावल जनपद– अयोध्या
तारीख पेशी 25–08–2025
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 08 के 25 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

पिता ने शराब के नशे में बेटे की डंडों से पीटकर की हत्या, दोनों थी नशे के आदी थे

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। जैतपुर थाना क्षेत्र के चौदह प्राश गांव में गुरुवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। जिसने रिश्तों को शर्मसार कर दिया। यहां एक पिता ने ही अपने पुत्र की कुदाल से हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। चौदह प्राश गांव के गोड़ियाना मजरे निवासी सिधारी गौड़ का देर रात लगभग 10 बजे अपने पुत्र पवन गौड़ से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि पहले गाली—गलौज और फिर मारपीट की नौबत आ गई। इसी बीच गुस्से से भरे पिता ने घर में रखी कुदाल उठाकर अपने ही बेटे पवन गौड़ पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से पवन की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। मृतक पवन अपने पिता के साथ ही घर पर रहता था, जबकि उसके अन्य भाई मुंबई में रोजी—रोटी के सिलसिले में रहते हैं।एसओ जैतपुर राजेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी पिता की तलाश की जा रही है। पुलिस ने गांव में पूछताछ शुरू कर दी है। गांव में हुई इस दर्दनाक घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। लोग कह रहे हैं कि जिस पिता की छाया बेटे को सुरक्षा देने वाली होती है, वही पिता हत्यारा बन गया। यह घटना रिश्तों पर कलंक बनकर सामने आई है।

रिश्वतखोर लेखपाल को घसीटकर ले गई एंटी करप्शन टीम

संवाददाता—संतकबीरनगर। एक लेखपाल को एंटी करप्शन टीम ने 5000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। उसके बाद एंटी करप्शन टीम लेखपाल को धक्के मारते हुए घसीटकर अपने साथ ले गई। इस दौरान लेखपाल हाथ छुड़ाकर भागने की कोशिश करने लगा तो टीम ने कसकर हाथ पकड़े, फिर 4 लोग घसीटते हुए गाड़ी में जबरन बिठाकर थाने ले गए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है। लेखपाल ने किसान से जमीन की पैमाइश के नाम पर पैसों की डिमांड की थी। जिसके बाद किसान ने एंटी करप्शन टीम को सूचना दे दी थी। मामला तहसील सदर खलीलाबाद का है। लेखपाल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दरअसल, मगहर निवासी बेलाल अहमद के साले अखलाक अहमद ने बताया— गाटा संख्या 351 पर हमारे बहनोई की जमीन दर्ज है। जिसपर सदानंद यादव जबरन कब्जा कर रहे हैं। इसके समाधान के लिए हमने लेखपाल और एसडीएम से संपर्क किया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। दो दिन पहले हमने दोबारा लेखपाल रामअवध से संपर्क किया। लेखपाल जमीन की पैमाइश के नाम पर 5000 रुपए की डिमांड करने लगे। जब हम लोगों ने रिश्वत न देने की बात कही तो काम करने से इनकार कर दिया। फिर हम लोगों ने मिन्नतें की तो पैसे लेकर आने की बात कही। इससे परेशान होकर हम लोगों ने एंटी करप्शन को सूचना दे दी। हमसे कहा गया कि पैसे दीजिए, हम लोग लेखपाल को रंगे हाथ पकड़ेंगे। इसपर हमने पैसे इकट्ठे किए। लेखपाल को पैसे देने की बात कही। पैसे लेकर हम लोग तहसील में लेखपाल के चौंबर में पहुंच गए। लेखपाल को 5000 रुपए देते ही एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ पकड़ लिया। एंटी करप्शन टीम ने लेखपाल को गिरफ्तार कर लिया।

एंटी करप्शन टीम जब लेखपाल लेकर जाने लगी तो लेखपाल हाथ छुड़ाकर भागने लगे। कहने लगे मैंने हाथ में पैसे नहीं लिए हैं। लेकिन एंटी करप्शन टीम नहीं मानी। जब लेखपाल हाथ छुड़ाकर भागने की कोशिश करने लगे तो टीम ने उसे डांटते हुए कसकर पकड़ा। फिर 4 लोग घेरकर उसे पकड़कर घसीटते हुए बोलेरो गाड़ी तक ले गए। गेट खोला तो गाड़ी में बैठने में आनाकानी करने लगे। लेकिन टीम ने धक्के मारकर उन्हें गाड़ी में बिठा लिया। जिसके बाद गिरफ्तार कर बखिरा थाने ले जाया गया।

भव्य फिल्मी रामलीला के सातवें संस्करण के लिए हुआ भूमि पूजन

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। रामकथा पार्क में अयोध्या की भव्य फिल्मी रामलीला के सातवें संस्करण के लिए शुक्रवार को भूमि पूजन हुआ। अयोध्या की फिल्मी रामलीला समिति के अध्यक्ष सुभाष मलिक बॉबी और साधु—संतों की मौजूदगी में वैदिक मंत्रों के साथ भूमि पूजन हुआ। इस बार रामकथा पार्क में रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। 22 सितंबर से दो अक्तूबर तक फिल्मी सितारों से सजी अयोध्या की रामलीला आयोजित होगी। हर रोज शाम सात बजे से रात 10 बजे तक रामलीला चलेगी। खास बात यह है कि इसका सीधा प्रसारण यूट्यूब समेत कई चौनलों पर किया जाएगा। इस बार रामलीला में बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री की कई नामी हस्तियां अहम किरदार निभाएंगी। परशुराम के किरदार में

मशहूर एक्टर पुनीत इस्सर नजर आएंगे। रजा मुराद अहिरावण के किरदार में होंगे। राजेश पुरी हनुमान जी की भूमिका निभाएंगे। अवतार गिल जनक बनेंगे। राकेश बेदी विभीषण और रावण की भूमिका मनीष शर्मा निभाएंगे।

अयोध्या की फिल्मी रामलीला के अध्यक्ष सुभाष मलिक बॉबी ने बताया कि 28 सितंबर से दिल्ली के कलाकार 190 फीट लंबा रावण का पुतला बनाएंगे। इस बार का रावण दहन ऐतिहासिक होगा। रामलीला में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को शामिल होने के लिए विशेष आमंत्रण भेजा गया है। राम की नगरी अयोध्या में एक बार फिर रामायण जीवंत होगी।

मुठभेड़ के बाद शातिर चोर गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। बड़हलगंज कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार की रात डेढ़ बजे फोरलेन (कोहरी गांव) के पास एक शातिर चोर नूरेआलम पुत्र स्व. रहमत अली थाना दोहरीघाट को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। चोर के बायें पैर मे गोली लगी है। घायल चोर नूरेआलम को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। कोतवाली प्रभारी चंद्रभान सिंह ने बताया कि शातिर के खिलाफ बड़हलगंज, जीयनपुर व मधुबन थाने मे दर्जन भर मुकदमें दर्ज है।

संविधान संशोधन लोकतंत्र के खिलाफ साजिश, सीबीआई और ईडी हो रहा दुरुपयोग —प्रियंका

संवाददाता—अयोध्या। महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद और शिवसेना (उद्धव गुट) की वरिष्ठ नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अयोध्या पहुंच कर रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन किए। इस दौरान केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। प्रियंका चतुर्वेदी ने श्रीराम जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी में दर्शन कर खुद को सौभाग्यशाली बताया। कहा कि भगवान रामलला की कृपा देश और लोकतंत्र पर बनी रहे।

अयोध्या की धरती से प्रियंका चतुर्वेदी ने सत्ता पक्ष पर जमकर निशाना साधा। कानून संशोधन को लोकतंत्र के खिलाफ साजिश बताया। मोदी सरकार द्वारा संसद में जाए गए संविधान संशोधन विधेयक को उन्होंने लोकतंत्र के खिलाफ साजिश बताया। कहा कि केंद्र सरकार सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों को विपक्ष के खिलाफ इस्तेमाल कर रही है। इनका दुरुपयोग हो रहा है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि सीबीआई और इनकम टैक्स का इस्तेमाल विपक्ष को डराने के लिए किया जा रहा है। एक साल बाद क्लीन चिट दी जाती है। सवाल तो उठेंगे ही। बिहार चुनाव पर भी प्रियंका चतुर्वेदी ने बड़ा दावा किया उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की जीत होगी। जनता सत्ता पक्ष से नाराज है। प्रियंका चतुर्वेदी ने अयोध्या में विकास के साथ रोजगार उपलब्ध कराने की भी मांग रखी।

झारखण्डेश्वरनाथ शिव मंदिर पर भण्डारे में उमड़ी आस्था

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। रुधौली विकास खण्ड क्षेत्र के नरही ग्राम पंचायत में स्थित पौराणिक झारखण्डेश्वरनाथ शिव मंदिर पर समाजसेवी निरंजन उपाध्याय के संयोजन में भजन कीर्तन, प्रसाद भोग और भण्डारे का आयोजन करते हुये श्री कृष्ण जन्मोत्सव का छठियारा उत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। निरंजन उपाध्याय ने बताया कि झारखण्डेश्वरनाथ शिव मंदिर वर्षो पुराना है और आज भी यदि लोगों को बारिश की जरूरत हो और शिवमंदिर के अरघे में दूध भर दिया जाय तो थोड़ी देर में बारिश शुरू हो जाती है। यह मंदिर लोगों की आस्था का केन्द्र है।

समाजसेवी निरंजन उपाध्याय ने बताया कि स्वर्गीय श्रीमती विद्यावती पत्नी स्वर्गीय रामदेव उपाध्याय की स्मृति में स्व. रामशब्द तिवारी का स्वप्नन्विल निर्माण कराया गया। झारखण्डेश्वरनाथ शिव मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ और 27 फरवरी 2024 को तत्कालीन जिलाधिकारी अन्द्रावामसी ने इसका लोकार्पण किया। शिव मंदिर पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव का छठियारा उत्सव को सम्पन्न कराने में मुख्य रूप से राजेन्द्र तिवारी, रमन सिंह, अंशू सिंह, विनय चौधरी, रामचन्द्र उपाध्याय, संदीप सिंह, हरीश सिंह, विनोद सिंह, विजय कुमार उपाध्याय के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों, श्रद्धालुओं ने योगदान दिया।

—उल्लास से मनाया गया श्री कृष्ण जन्मोत्सव का छठियारा उत्सव

निजीकरण से बिजली कर्मियों की नौकरी खतरे में

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के बिजली कर्मियों ने निजीकरण के विरोध में अधिशासी अभियंता परिसर में प्रदर्शन किया। कहा कि निजीकरण से बिजली कर्मियों की नौकरी पर खतरा मड़रा रहा है। लेकिन हम सब झुकने वाले नहीं हैं। सरकार से अपने हक के लिए अंतिम दम तक संघर्ष किया जाएगा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण किया गया तो लगभग 78 हजार सरकारी कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा मंडराने लगेगा। सूरज प्रजापति ने कहा कि बिजली की बढ़ी हुई मांग को देखते हुए बिजली कर्मी आंदोलन के साथ—साथ उपभोक्ताओं की समस्याओं को भी सर्वोच्च प्राथमिकता पर अटेंड कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उनका नारा है— सेवा करेंगे और हक भी लेंगे। रमेश प्रजापति ने कहा कि पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष द्वारा निजीकरण के बाद बिजली कर्मियों को तीन विकल्प दिए गए हैं। पहला विकल्प यह है कि वे निजी कंपनी की नौकरी स्वीकार कर लें। दूसरा विकल्प यह है कि वे अन्य विद्युत वितरण निगमों में वापस आ जाएं और तीसरा विकल्प यह है कि वे स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति लेकर घर चले जाएं। ऐसे बिजली कर्मी बहुत बड़ी संख्या में हैं जो निजी कंपनियों की नौकरी छोड़कर पावर कारपोरेशन में सरकारी नौकरी करने आए थे।अब कई कई वर्ष की नौकरी के बाद उनसे यह कहना कि वे फिर निजी कंपनी में चले जाएं यह पूरी तरह अन्यायपूर्ण है और बिजली कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। बिजली कर्मचारियों ने प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर व्यापक विरोध प्रदर्शन कर निजीकरण के विरोध में निर्णायक संघर्ष का संकल्प लिया। निजीकरण बिजली कर्मचारियों और उनके परिवार के लिए अंधेरे का संदेश लेकर आ रहा है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. इण्टर मीडिएट वर्ष 2021 अनुक्रमांक 217275520 का प्रमाण पत्र—सह—अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(विशाल यादव)
पुत्र श्री शैलेन्द्र यादव
ग्राम— बरवा
पोस्ट— पुरानी बस्ती
जनपद— बस्ती (उ.प्र.)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष 2018 अनुक्रमांक 2413366 एवं इण्टर मीडिएट वर्ष 2020 अनुक्रमांक 2307105 का प्रमाण पत्र—सह—अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(संध्या यादव)
पुत्री श्री बंश बहादुर यादव
ग्राम— सिसवारी रघुवीर सिंह
पोस्ट— कसैला
जनपद— बस्ती (उ.प्र.)

रोज बंट रही यूरिया, फिर भी नहीं खत्म हो रहीं किसानों की लंबी कतारें

संवाददाता—अयोध्या। यूरिया की किल्लत लगातार गहराती जा रही है। साधन सहकारी समितियों और खाद की लाइसेंसी दुकानों पर रोज वितरण होने के बावजूद किसानों की मांग पूरी नहीं हो पा रही है। शुक्रवार को रमेश नगर स्थित एग्री जंक्शन खाद भंडार पर यूरिया वितरण के दौरान भारी भीड़ जुट गई। सुबह से ही किसान लाइनों में लग गए और देखते ही देखते लंबी कतारें बन गईं। यूरिया न मिलने से गुस्साए किसानों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया।

स्थिति यह रही कि हाईवे पर जाम जैसी स्थिति बन गई। सूचना पाकर नायब तहसीलदार मिल्कीपुर रंजन वर्मा और थाना प्रभारी कुमारगंज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन और पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित किया और जाम खुलवाया। पुलिस की मौजूदगी में यूरिया का वितरण कराया गया। हालांकि किसानों का कहना है कि वितरण रोजाना हो रहा है, लेकिन मांग इतनी ज्यादा है कि जरूरत पूरी नहीं हो पा रही। इससे किसान लगातार परेशान हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—88/2014
अष्टभुजा प्रसाद आदि
बनाम
जानकी देवी आदि
5/1 अनूप पाण्डेय उम्र लगभग 36 वर्ष 5/2 किशोर पाण्डेय उम्र लगभग 34 वर्ष पुत्रगण राजेन्द्र कुमार साकिन कोड़रा पाण्डेय तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 7/1 कृष्ण कुमार उम्र लगभग 50 वर्ष 7/2 बालकृष्ण उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्रगण शुकदेव प्रसाद साकिन गोबरहिया तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 03—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0—984/2017
अदालत— श्रीमान नायब तहसीलदार सदर महोदय बस्ती जिला—बस्ती
श्रीमती सीता देवी
बनाम
गिरीश चन्द
ग्राम मछिया तप्पा हवेली
रामतेज पुत्र निरहू निवासी ग्राम मलिकपुरवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती
तारीख पेशी 28—08—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 08 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—91/2024
विनोद सिंह
बनाम
रामभगत
1. रामभगत उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र रामचेत ग्राम धोबहट तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 04—10—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—217/2017
सीताशरन
बनाम
श्याम नरायन शुक्ल
1. श्याम नरायन शुक्ल उम्र 45 साल पुत्र परमेश्वरदीन 2. ओम प्रकश उम्र लगभग 42 साल पुत्र मोती 3. हरि प्रकाश उम्र 49 साल पुत्र परमात्मा साकिनान मौजा जसईपुर तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती पोस्ट पोखरनी
तारीख पेशी 29—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—142/2001
हैतू
बनाम
हसन अली
1/1 इमाम अली उम्र 65 वर्ष पुत्र बुद्धू साकिन महसो तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 26—09—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 26 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान अपर जिला न्यायाधीश/एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्ण सिविल अपील नं0 55/2024
रामदेव
बनाम
राज्य सरकार आदि
4. रामसुरेश 5. रामकुमार पुत्रगण चिनकान निवासीगण ग्राम मझौवा कला द्वितीय तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती उ0प्र0
तारीख पेशी 16—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

हाईस्पीड कार पेड़ से टकराई, 2 की मौत

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी के बीकापुर क्षेत्र में रात्रि एक बजे के आसपास में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। दशरथ पुर के पास एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में कार में सवार तीन लोगों में से दो की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं दूसरे हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतकों की पहचान प्रभाकर तिवारी (26 वर्ष) पुत्र गणेश तिवारी और रोहित सिंह (30 वर्ष) पुत्र मनोज सिंह निवासी ग्राम भदौली बुजुर्ग थाना महराज गंज जनपद अयोध्या के रूप में हुई है। घायल अंकित पुत्र संजय सिंह को जिला अस्पताल फैजाबाद रिफर किया गया है। रात्रि गश्त ड्यूटी पर तैनात उप निरीक्षक राजेश कुमार को पीआरवी के प्रभारी कांस्टेबल अखिलेश यादव ने मोबाइल से सूचना दी थी। सूचना पर पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को सीएचसी बीकापुर पहुंचाया।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com